Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 14-03-2005

Participants : Mehta Shri Bhubneshwar Prasad

>

Title: Need to provide Class IV jobs to local and displaced people, particularly the SCs in Bokaro Steel Plant, D.V.C. and Coal India Limited in Jharkhand.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता (हज़ारीबाग) : अध्यक्ष महोदय, झारखंड में बोकारो स्टील प्लांट में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की बहाली हो रही है। ...(व्यवधान) ऐसा शैडयूल्ड कास्ट्स के लोगों के बैकलॉग को भरने के लिए किया गया है। पूरे देश से इंटरनेट द्वारा लिस्ट मंगवाकर कोलकाता में बहाली की जा रही है जबकि आज हजारों स्थानीय लोग बोकारो स्टील प्लांट के अगल-बगल में ि वस्थापित और बेकार हैं। वहां भी बड़े पैमाने पर शैडयूल्ड कास्ट्स और शैडयूल्ड ट्राइब्स के लोगों की संख्या है। वहां विस्थापित लोग बेकार बैठे हुए हैं और पूरे देश से इंटरनेट द्वारा लिस्ट मंगवाकर कोलकाता में बहाली की जा रही है। इसके लिए वहां लगातार आंदोलन हो रहा है। पहले से ही विस्थापित संर्घा मोर्चा, शैडयूल्ड कास्ट्स और शैडयूल्ड ट्राइब्स के लोग आंदोलन करते रहे हैं।

मैं सरकार से मांग करता हूं, न्यायालय का भी फैसला है और सरकार भी चाहती है कि चतुर्थ वर्ग में जो स्थानीय लोग विस्थापित हैं, जिनकी जमीन गयी है, उनकी बहाली की जाये। केन्द्र सरकार इस बारे में विचार करे और वहां स्थानीय लोगों की बहाली करने की घोाणा करे। अगर ऐसा नहीं होगा तो विस्थापित संर्घा मोर्चा आंदोलन करने के लिए तैयार है। बोकारो स्टील प्लांट में लगातार धरना और प्रदर्शन होना शुरू हो गया है। इसी तरह डीवीसी और कोल उद्योग में भी झारखंड के लोगों की उपेक्षा करके लगातार दूसरी जगह बहाली होती है। इसलिए हम सरकार से मांग करते हैं कि चाहे कोल उद्योग हो, सेल हो, डीवीसी हो या जो भी इस तरह के उद्योग हों, सरकार एक व्यवस्थापन नीति बनाये ताकि वहां जिन लोगों की जमीन जाती है, जो विस्थापित हैं, उनको नौकरियों में प्राथमिकता मिल सके।

MR. SPEAKER: Thank you very much.

Now, there are three hon. Members who have given notices on Nepal. But we know that on the 9th of March, the hon. Minister had made a statement which was laid on the Table of the House. If you feel that a discussion should be held, then you give a proper notice. I shall look into it. But the same issue need not raised here. The names of the three hon. Members are Yogi Aditya Nath, Shri Rupchand Pal and Shri Ramji Lal Suman.

मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, इस पर बहस होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You can discuss on the statement made by the hon. Minister. I will also find out whether they propose to have a separate discussion. Please co-operate. I appreciate your concern.

श्री मोहन सिंह : श्रीमन्, यह पड़ोस का मामला है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please listen. The Government has made its position clear. If you want to have a further discussion, you give a notice and I shall certainly look into it.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यह गंभीर मामला है , xÉä{ÉÉ±É ¨Éå ±ÉÉäEóiÉÆjÉ EóÒ स्थापना हो....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया आप सुनिये।

....(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Leader of the House is here. You have raised an issue on which a statement had already been laid.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, नेपाल से जुड़ा हुआ मुद्दा भारत की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मुद्दा है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Therefore, let there be proper discussion. You please give a notice to me.

योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष महोदय, यह खतरनाक नीति है। भारत सरकार पाकिस्तान को, चीन को हस्तक्षेप करने का मौका दे रही है। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): We will find out some time. You tell us whether you would like to have a discussion.

MR. SPEAKER: The Government has conceded a debate. Let there be a discussion.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We would like to have a full-fledged discussion where the Members can participate and contribute.

MR. SPEAKER: I think you have got more than what you wanted. The hon. Members have given notices rightly and there is importance apart from the Minister's statement. The hon. Leader of the House has conceded that there will be a discussion. I think this should satisfy us so that we can complete it.